

---

# Raja Indradyutikritam Krishnanarayana Stotram

---

राजा इन्द्रद्युतिकृतं कृष्णनारायणस्तोत्रम्

---

## Document Information

---

Text title : Raja Indradyutikritam Krishnanarayana Stotram

File name : rAjAindradyutikRRitaMkRRiShNanArAyaNastotram.itx

Category : vishhnu, vishnu, lakShmInArAyaNIyasaMhitA, stotra, krishna

Location : doc\_vishhnu

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : lakShmInArAyaNIyasaMhitA | khaNDa 2 | adhyAya 71/20-29||

Latest update : February 5, 2026

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

February 5, 2026

*sanskritdocuments.org*

---

राजा इन्द्रद्युतिकृतं कृष्णनारायणस्तोत्रम्



तद्भक्त्याऽनुग्रहं कुर्वन् साक्षात् कृष्णनारायणः ।  
प्रादुरासीत् पीतवासाः किशोरश्च जगन्मयः ॥ २० ॥

इन्द्रद्युतिर्दरिं वीक्ष्य नेमे तुष्टाय तं प्रभुम् ।  
कृष्णनारायण विष्णो पुरुषोत्तम केशव ॥ २१ ॥

अनादिश्रीदरे स्वामिन् षष्ठीकेश य ते नमः ।  
विश्वात्मन् सृष्टिकृत्कृष्णानन्तशक्ते य ते नमः ॥ २२ ॥

निर्गुणानन्तदिव्यानां गुणानां पूर्णमूर्तिक ।  
ज्ञानगम्य कृपालव्य पुरुषोत्तम ते नमः ॥ २३ ॥

अनन्तमूर्तये तुभ्यं नमोऽस्त्वानन्दरूपिणे ।  
नमस्ते परमेशाय ब्रह्मणे परमात्मने ॥ २४ ॥

त्वं पिता सर्वभूतानां माता बन्धुः सुहृत्सखा ।  
त्वमक्षरं परं धाम त्रिन्मात्रं व्योम वै बृहत् ॥ २५ ॥

सर्वस्याधारमव्यक्तामनन्तं तमसः परम् ।  
त्वां पश्यन्ति परात्मानं ज्ञानदीपेन सेवकाः ॥ २६ ॥

प्रपद्ये तं भवेद्रूपं सच्चिदानन्दविग्रहम् ।  
यत्रास्ते भगवाँस्तद्वै श्रीदरेः परमं पदम् ॥ २७ ॥

त्वमेव नयसि श्रीमत्कृष्णनारायणप्रभो ।  
ज्ञानं देहि पदं देहि त्वन्माया मा प्रदेहि मे ॥ २८ ॥

इत्युक्त्वा प्रपतन्तं तं पादयोः स्वकरेण च ।  
पस्पर्शं प्रदसन् कृष्णनारायणः पुनः पुनः ॥ २९ ॥

एति श्रीलक्ष्मीनारायणीयसंछिता । अङ्क २ । अध्याय ७१-अध्यायान्तर्गतं  
राजा इन्द्रद्युतिकृतं कृष्णनारायणस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

लक्ष्मीनारायणीयसंहिता । अङ्क २ । अध्याय ७१/२०-२९ ॥

lakShmInArAyaNIyasaMhitA . khaNDa 2. adhyAya 71/20-29..

Proofread by PSA Easwaran

---

——  
*Raja Indradyutikritam Krishnanarayana Stotram*  
pdf was typeset on February 5, 2026

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

